१९ : आश्रम का अनुमानित ब्याय

प्रश्नावली

<u>लेखा-जोखा</u>

प्रश्न 1. हमारे यहाँ बहुत से काम लोग खुद नहीं करके किसी पेशेवर कारीगर से करवाते हैं। लेकिन गांधी जी पेशेवर कारीगरों के उपयोग में आनेवाले औजार- छेनी, हथौड़े, बसूले इत्यादि क्यों खरीदना चाहते होंगे?

प्रश्न 2. गांधी जी ने अखिल भारतीय कांग्रेस सहित कई संस्थाओं व आंदोलनों का नेतृत्व किया। उनकी जीवनी या उनपर लिखी गई किताबों से उन अंशों को चुनिए जिनसे हिसाब-किताब के प्रति गांधी जी की चुस्ती का पता चलता है।

प्रश्न 3. मान लीजिए, आपको कोई बाल आश्रम खोलना है। इस बजट से प्रेरणा लेते हुए उसका अनुमानित बजट बनाइए। इस बजट में दिए गए किन-किन मदों पर आप कितना खर्च करना चाहेंगे। किन नयी मदों को जोडना-हटाना चाहेंगे?

प्रश्न 4. आपको कई बार लगता होगा कि आप कई छोटे-मोटे काम (जैसे-घर की पुताई, दूध दुहना, खाट बुनना) करना चाहें तो कर सकते हैं। ऐसे कामों की सूची बनाइए, जिन्हें आप चाहकर भी नहीं सीख पाते। इसके क्या कारण रहे होंगे? उन कामों की सूची भी बनाइए, जिन्हें आप सीखकर ही छोड़ेंगे।

प्रश्न 5. इस अनुमानित बजट को गहराई से पढ़ने के बाद आश्रम के उद्देश्यों और कार्यप्रणाली के बारे में क्या-क्या अनुमान लगाए जा सकते हैं?

<u>भाषा की बात</u>

प्रश्न 1. अनुमानित शब्द अनुमान में इत प्रत्यय जोड़कर बना है। इत प्रत्यय जोड़ने पर अनुमान का न नित में परिवर्तित हो जाता है। नीचे-इत प्रत्यय वाले कुछ और शब्द लिखे हैं। उनमें मूल शब्द पहचानिए और देखिए कि क्या परिवर्तन हो रहा है-

प्रमाणित झंकत व्यथित शिक्षित

द्रवित मोहित मुखरित चर्चित

इत प्रत्यय की भाँति इक प्रत्यय से भी शब्द बनते हैं और तब शब्द के पहले अक्षर में भी परिवर्तन हो जाता है, जैसे-सप्ताह + इक = साप्ताहिक । नीचे इक प्रत्यय से बनाए गए शब्द दिए गए हैं। इनमें मूल शब्द पहचानिए और देखिए कि क्या परिवर्तन हो रहा है-

मौखिक नैतिक संवैधानिक

पौराणिक प्राथमिक दैनिक

प्रश्न 2. बैलगाड़ी और घोड़ागाड़ी शब्द दो शब्दों को जोड़ने से बने हैं। इसमें दूसरा शब्द प्रधान है, यानी शब्द का प्रमुख अर्थ दूसरे शब्द पर

टिका है। ऐसे समास को तत्पुरुष समास कहते हैं। ऐसे छह शब्द और सोचकर लिखिए और समझिए कि उनमें दूसरा शब्द प्रमुख क्यों है?

उत्तर

लेखा-जोखा

उत्तर 1- भारत में लोग कुछ छोटे-छोटे काम के लिए किसी पेशेवर को बुलाते है, लेकिन गांधी जी पेशेवर कारीगरों के उपयोग में आनेवाले औज़ार – छेनी ,हथौड़े, बसूले इत्यादि खरीदना चाहते थे ताकि लोग कुटीरउद्योग पे ध्यान दे सके और ये लोग आत्मनिर्भर हो सकेंगे।

उत्तर 2- गांधी जी के ऊपर लिखे गए किताबों से पता चलता है कि गांधी जी बचपन से ही समय के पाबंद थे, उन्होंने कई आंदोलन के नेत्तृव देते वक़्त हिसाब के प्रति उनके जागरूकता का परिचय दिए है। बचपन में गांधी जी पैसा बचाने के लिए कई किलोमीटर पैदल जाते थे और उनका मानना था कि पैसा सिर्फ जरुरत में ही खर्च करना चाहिए। और कहानी से पता चलता है कि गांधी जी आश्रम के ब्याय के बारे में भी बहुत जागरूक थे।

उत्तर 3- बाल आश्रम बनाने के लिए साधन के जरुरत है, मान लेते है कि आश्रम में चालिस लड़के रह सकते है। तो कैलाश लड़को के रहने के लिए चार बड़े कक्ष की जरुरत है जिसके बनाने में खर्च है करीब चालीस हज़ार रूपए, चालीस लड़को का खाना पकाने के लिए चार बड़ा पतीला, दो छोटा पतीला, कढ़ाई और खाना पकाने के लिए जरुरी मसाले,

चावल,गेंहू इसमें खर्च होगा करीब बीस हज़ार रूपए, रहने के जगह के लिए बिस्तर बनाना और उसमें खर्च होगा करीब तीस हज़ार रूपए।

उत्तर 4- हमारे आसपास कई ऐसे छोटे काम है, जो हम खुद कर सकते है लेकिन हम उसे पेशेवरों से करवाते है जैसे की पुताई करना, सिलाई का काम, धोबी का काम, खाट बुनना, दूध दुहना। अगर इनमें से कोई काम सीखना हो तो हम सिलाई के काम ,जूता मरम्मत करने का काम और रोटी पकाने के काम करना चाहते है। सिलाई का काम नही सिख पाए क्योंकि सिखानेवाला नही है। रोटी बनाना नही सिख पाए क्योंकि उसकी जरुरत नहीं पड़ती घर में माँ रोटी पकाती ही और जूता मरम्मत करने का काम भी नही सिख पाए क्योंकि सीखनेवाले की कमी है।

उत्तर 5- इस पाठ से हम कह सकते है कि आश्रम का उद्देश्यों था कुटीर उद्योग को बढ़ाबा देना, लोगो को स्वाबलंबी बनाना, चरखे से कपड़ा बुनकर स्वदेसी आंदोलन का समर्थन करना, जरुरतमंद लोगो की सहायता करना, अतिथि-सत्कार करना। और आश्रम आत्मनिर्भर तरीके से काम करता था।

<u>भाषा की बात</u>

उत्तर 1: प्रमाणित- प्रमाण + इत

झंकत – झंकार+इत

व्यथित- व्यथा + इत

शिक्षित-शिक्षा + इत

द्रवित-   द्रव + इत

मोहित-मोह + इत

मुखरित -मुखर + इत

चर्चित- चर्चा + इत

मौखिक- मुख + इक

नैतिक- नीति + इक

संवैधानिक- संविधान + इक

पौराणिक -पुराण + इक

प्राथमिक- प्रथम + इक

दैनिक- दिन + इक

उत्तर 2- (i) विद्यालयः- विद्या के लिए आलय

(ii) प्रधानमंत्री- मंत्रियो का प्रधान।

(iii) राजपुत्र- राजा का पुत्र

(iii) मुहतोड़- मुँह को तोड़ने वाला

(iv) दानवीरः दान में वीर

(v) गिरिधर- गिरी को जो धारण करता है।

(vi) जन्मांधः जन्म से अँधा